Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

02 & 04 August, 2022
Tuesday
Page No.1

BMU IN NEWS

BABA MASTNATH UNIVERSITY

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

बीएमयू की फैकल्टी ऑफ लॉ में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

कानून के क्षेत्र में भविष्य बनाने की चाह रखने वाले बारहवीं पास विद्यार्थियों के लिए बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा एलएलबी पंचवर्षीय, एलएलबी तीन वर्षीय, एलएलएम दो वर्षीय और पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। लॉ के ये सभी कोर्स रोजगार के अनेक अवसर प्रदान करते हैं। एलएलबी पंचवर्षीय और एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में 120 सीटें तथा एलएलएम दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 50 सीटें उपलब्ध हैं। इसके अलावा पांचवर्षीय एलएलबी में प्रवेश लेने के लिए बाहरवीं कक्षा में सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत, अनुसूचित जाति, जनजाति, दृष्टिबाधित तथा डिफरेंटली एबेल्ड विद्यार्थियों के लिए 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं।

एलएलबी में प्रवेश के लिए स्नातक में सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति, जनजाति, दृष्टिबाधित तथा डिफरेंटली एबेल्ड विद्यार्थियों के लिए 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। वहीं एलएलएम में प्रवेश लेने के लिए एलएलबी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य हैं।

बता दें कि फैकल्टी ऑफ लॉ की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी। इन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी विधि व्यवसाय, न्याय पालिका, प्रशासनिक सेवा, सैन्य सेवा, पुलिस, प्रबंधन, अध्यापन समेत अन्य विविध क्षेत्रों में कॅरियर बना रहे हैं।

अमर उजाला

बीएमयू में एलएलबी और एलएलएम प्रवेश प्रक्रिया शुरू

रोहतक। कानून के क्षेत्र में सुनहरा भविष्य बनाने की चाह रखने वाले बारहवीं पास विद्यार्थियों के लिए बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि विभाग की ओर से एलएलबी पंचवर्षीय, एलएलबी तीन वर्षीय, एलएलएम दो वर्षीय व पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यार्थी इन कोर्सों को पास कर कानून के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं।

एलएलबी पांच वर्षीय व एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में 120 सीटें व एलएलएम दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 50 सीटें हैं। पांच वर्षीय एलएलबी में प्रवेश लेने के लिए 12वीं कक्षा में सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत, अनुसूचित जाति, जनजाति, दृष्टिबाधित व डिफ्रेंटली एबेल्ड विद्यार्थियों के लिए 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य है। एलएलबी में प्रवेश के लिए स्नातक में सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति, जनजाति, दृष्टिबाधित व डिफ्रेंटली एबेल्ड विद्यार्थियों के लिए 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। एलएलएम में प्रवेश लेने के लिए एलएलबी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य है। संवाद

उजाला आज तक

बीएमयू के फैकल्टी ऑफ लॉ में विभिन्न पाठ्यक्रमों के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू

उजाला आज तक

कानून के क्षेत्र में सुनहरा भविष्य बनाने की चाह रखने वाले बारहवीं पास विद्यार्थियों के लिए बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा एलएलबी पंचवर्षीय,एलएलबी तीन वर्षीय, एलएलएम दो वर्षीय और पीएच. डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर कानून के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं। लॉ के ये सभी कोर्स रोजगार के अनेक अवसर प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय के इन रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एलएलबी पंचवर्षीय और एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में 120 सीटें तथा एलएलएम दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 50 सीटें उपलब्ध हैं।

पांचवर्षीय एलएलबी में प्रवेश लेने के लिए बाहरवीं कक्षा में सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत, अनुसूचित जाति/जनजाति, दृष्टिबाधित तथा डिफरेंटली एबेल्ड विद्यार्थियों के लिए 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं तथा एलएलबी में प्रवेश हेतु स्नातक में सामान्य वर्ग के लिए 45% अंक अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 42% एवं अनुसूचित जाति/जनजाति, दृष्टिबाधित तथा डिफरेंटली एबेल्ड विद्यार्थियों के लिए 40% अंक अनिवार्य हैं।

एलएलएम में प्रवेश लेने के लिए एलएलबी में न्यूनतम 50% अंक होने अनिवार्य हैं।

गौरतलब है कि फैकल्टी ऑफ लॉ की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी। इन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी विधि व्यवसाय, न्याय पालिका, प्रशासनिक सेवा, सैन्य सेवा, पुलिस, प्रबंधन, अध्यापन समेत अन्य विविध क्षेत्रों में कॅरियर बना रहे हैं। ।

Janmarg Samachaar Patra

बीएमयू के फैकल्टी ऑफ लॉ में विभिन्न पाठ्यक्रमों के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू

रोहतक। कानून के क्षेत्र में सुनहरा भविष्य बनाने की चाह रखने वाले बारहवीं पास विद्यार्थियों के लिए बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा एलएलबी पंचवर्षीय,एलएलबी तीन वर्षीय, एलएलएम दो वर्षीय और पीएच. डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर कानून के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं। लॉ के ये सभी कोर्स रोजगार के अनेक अवसर प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय के इन रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है एलएलबी पंचवर्षीय और एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में 120 सीटें तथा एलएलएम दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 50 सीटें उपलब्ध हैं पांचवर्षीय एलएलबी में प्रवेश लेने के लिए बाहरवीं कक्षा में सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत, अनुसूचित जाति/जनजाति, दृष्टिबाधित तथा डिफरेंटली एबेल्ड विद्यार्थियों के लिए 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं तथा एलएलबी में प्रवेश हेतु स्नातक में सामान्य वर्ग के लिए 45% अंक अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 42% एवं अनुसूचित जाति/जनजाति, दृष्टिबाधित तथा डिफरेंटली एबेल्ड विद्यार्थियों के लिए 40% अंक अनिवार्य हैं एलएलएम में प्रवेश लेने के लिए एलएलबी में न्यूनतम 50% अंक होने अनिवार्य हैं गौरतलब है कि फैकल्टी ऑफ लॉ की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी। इन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी विधि व्यवसाय, न्याय पालिका, प्रशासनिक सेवा, सैन्य सेवा, पुलिस, प्रबंधन, अध्यापन समेत अन्य विविध क्षेत्रों में कॅरियर बना रहे हैं। ।

हरिभूमि 04/08/2022
समाचार ही नहीं, विचार भी

Hari Bhoomi (04/08/2022)

कुवि के प्रो. राजवीर सिंह यादव बने बाबा मस्तनाथ विवि के कुलपति

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र तथा रक्षा एवं सामरिक अध्ययन के विभागाध्यक्ष तथा डीन सोशल साइंसेज रहे प्रोफेसर राजवीर सिंह यादव को हरियाणा के रोहतक स्थित प्रसिद्ध. बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर राजवीर सिंह यादव ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में गांधी अध्ययन केंद्र, एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा महात्मा गांधी आईएएस कोचिंग सेंटर के निदेशक समेत कई दायित्वों पर कार्य किया है।

प्रोफेसर राजवीर सिंह यादव